भारत सरकार
वित्त मंत्रालय
आर्थिक कार्य विभाग
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 1010

(जिसका उत्तर सोमवार, 10 फरवरी, 2025/21 माघ, 1946 (शक) को दिया जाना है)

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपये का अवमूल्यन

1010. श्री मनीश तिवारी:

श्री दिनेश चंद्र यादव:

क्या **वित्त मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) 16 मई, 2014 को तथा 20 जनवरी, 2025 को अमेरिकी डॉलर की तुलना में भारतीय रुपये का मूल्य क्या है;

(ख) विगत पांच वर्षों, विशेषकर पिछली वित्तीय तिमाही के दौरान कुल कितनी विदेशी मुद्रा देश से बाहर गई तथा इसमें योगदान देने वाले प्रमुख कारक क्या है;

(ग) क्या डॉलर की तुलना में रुपये का कमजोर होना और विदेशी मुद्रा भंडार में बड़ी गिरावट के कारण देश की अर्थव्यवस्था प्रभावित होने की संभावना है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(घ) क्या भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने रुपये के प्रबंधन के संबंध में अपनी रणनीति में हाल ही में परिवर्तन किया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इस परिवर्तन के क्या अपेक्षित परिणाम होंगे;

(ङ) सरकार द्वारा रुपए के अवमूल्यन तथा मुद्रास्फीति पर इसके संभावित प्रभाव, विशेषकर पेट्रोलियम उत्पादों जैसे आयातित वस्तुओं के संबंध में समाधान के लिए क्या उपाय किए गए हैं; और

(च) आरबीआई द्वारा विदेशी मुद्रा बाजार में हस्तक्षेप के बीच प्रणाली में पर्याप्त तरलता सुनिश्चित करने के लिए क्या कदम उठाए जा रहे हैं?

उत्तर
वित्त राज्य मंत्री (श्री पंकज चौधरी)

(क) दिनांक 16 मई, 2014 तथा 20 जनवरी, 2025 को अमेरिकी डॉलर (यूएसडी) की तुलना में भारतीय रुपए (आईएनआर) का मूल्य क्रमशः ₹58.78/अमेरिकी डॉलर तथा ₹86.57/अमेरिकी डॉलर था।

(ख) देश में पूंजी के निवल बहिर्वाह/अंतर्वाह को प्रभावित करने वाले कारकों में निर्यात, आयात, विदेशी विप्रेषण, विदेशी संस्थागत निवेश और प्रत्यक्ष विदेशी निवेश आदि का स्तर शामिल है। भुगतान संतुलन (बीओपी) किसी एक अवधि के दौरान निवासियों और गैर-निवासियों के बीच हुए संव्यवहार (चालू और पूंजी खाता दोनों) को दर्शाता है। निम्नलिखित सारणी के कॉलम 3 में पिछले पांच वर्षों और वर्ष 2024-25 की हाल की तिमाहियों से संबंधित सकल बहिर्वाह (डेबिट) दर्शाया गया है।

तालिका: भुगतान संतुलन के तहत वर्षवार अंतर्वाह (क्रेडिट) और बहिर्वाह (डेबिट)

(आंकड़े बिलियन अमेरिकी डॉलर में)

वर्ष	कुल अंतर्वाह (चालू प्राप्तियां + पूंजी अंतर्वाह)	कुल बहिर्वाह (चालू भुगतान + पूंजी बहिर्वाह)	निवल प्राप्तियां (+)/ भुगतान (-)
(1)	(2)	(3)	(4)
2019-20	1254.04	1194.54	+59.50
2020-21	1203.53	1116.24	+87.29
2021-22	1561.60	1514.10	+47.50
2022-23	1595.33	1604.47	-9.14
2023-24	1796.37	1732.67	+63.70
तिमाही1:वित्त वर्ष 25	507.45	502.22	+5.23
तिमाही2: वित्त वर्ष 25	553.56	534.94	+18.61
टिप्पणी: आंकड़ों में त्रुटियाँ एवं चूक शामिल हैं। स्रोत - आरबीआई, बीओपी विवरण			

(ग): जी नहीं। भारतीय रुपये की तुलना में अमेरिकी डॉलर के मजबूत होने से भारतीय निर्यात की निर्यात प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ने की संभावना है, जिसका अर्थव्यवस्था पर सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा।
दिनांक 24 जनवरी, 2025 तक आरबीआई के पास विदेशी मुद्रा भंडार 629.56 बिलियन अमेरिकी डॉलर है। सितंबर 2024 के अंत तक रिजर्व पर्याप्त स्तर पर बना हुआ है, जो लगभग 11 महीने के आयात, बकाया विदेशी ऋण के 90 प्रतिशत और 18.9 प्रतिशत अल्पकालिक ऋण (मूल परिपक्वता) को कवर करता है।

(घ) और (ङ): जी नहीं। विनिमय दर प्रबंधन के प्रति दृष्टिकोण सुसंगत और सुपरिभाषित रहा है, जिसके संदर्भ में भारतीय रुपये का मूल्य बाजार द्वारा निर्धारित होता है, जिसका कोई लक्ष्य या विशिष्ट स्तर अथवा बैंड नहीं होता है।

रुपये के मूल्यह्रास से आयातित वस्तुओं की कीमतें बढ़ सकती हैं। तथापि, घरेलू कीमतों पर विनिमय दर के मूल्यह्रास का समग्र प्रभाव घरेलू बाजार में अंतरराष्ट्रीय वस्तुओं की कीमतों के प्रभाव की सीमा पर निर्भर करता है। इसके अलावा, अर्थव्यवस्था में आयात भी विभिन्न कारकों पर निर्भर करता है जिसमें अंतर्राष्ट्रीय बाजार में वस्तुओं की मांग और आपूर्ति, व्यापार योग्य वस्तुओं के प्रकार (अर्थात आवश्यक या सुख-सुविधा की वस्तुएं), माल ढुलाई लागत, वैकल्पिक वस्तुओं की उपलब्धता आदि शामिल हैं। इस प्रकार, आयात लागत और उसके परिणामस्वरूप घरेलू मुद्रास्फीति पर विनिमय दर के उतार-चढ़ाव के प्रभाव को अलग नहीं किया जा सकता।

(च): भारतीय रिजर्व बैंक सुव्यवस्थित नकदी की स्थिति और वित्तीय बाजारों के समुचित कामकाज की सुनिश्चिता के लिए सक्रिय रूप से निगरानी करता है और इसके लिए आवश्यक उपाय करता है। बैंकिंग प्रणाली में नकदी का संचार करने के लिए भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा हाल ही में घोषित उपायों में दैनिक/56-दिवसीय परिवर्तनीय दर रेपो (वीआरआर) नीलामी, भारत सरकार की प्रतिभूतियों की ओपेन मार्केट ओपरेशन (ओएमओ) खरीद नीलामी और अमेरिकी डॉलर/भारतीय रुपये में खरीद/बिक्री स्वैप नीलामी शामिल हैं।

***